प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com लखनऊ, रविवार, 29 मार्च 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

कोरोना से लड़ने की जंग में सहायता करने में कंजूसी बरत रहे खिलाड़ी -10

एसएमएस छात्र-छात्राओं को दे रहा ऑनलाइन शिक्षण

लखनऊ। प्रभात

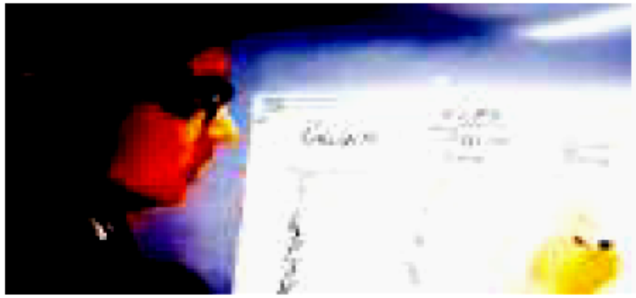

कोरोना से निपटने की जद्दोजहद में पूरा देश लॉकडाउन है। देश व प्रदेशवासियों को सुरक्षा प्रदान करने को सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। देशवासी भी संकट की इस घड़ी में सरकार की हर गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं। हालांकि ऐसे में काम-धंधा ठप होने के साथ ही स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। ऐसे में कुछ शिक्षण संस्थान बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था किये हैं ताकि बच्चों का नुकसान न हो सके। इसी क्रम में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) लखनऊ ने भी छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था की है। एसएमएस के सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण के वैश्विक महामारी की रोकथाम में एसएमएस अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिये प्रधानमंत्री मोदी के 21 दिन के लॉकडाउन के आह्वान तथा अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये दिशा.निर्देशों के अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र का पठन.पाठन का कार्य ऑनलाइन के माध्यम तथा वर्क टू होम द्वारा कराया जा रहा है।

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) प्रो.भरत राज सिंह ने बताया कि राष्ट्रहित व छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये सभी क्लासेज को समय सारिणी के अनुसार प्रत्येक अध्यापकों द्वारा लेक्चर नोट को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से तथा यूटूब से सीधे लेक्चर प्रसारण (वीडीओ) से कराया जा रहा है। इसकी मानिटरिंग डा.सिंह स्वयं तथा डीनए डा.धर्मेन्द्र सिंह द्वारा किया जा रहा हैं। डॉ. सिंह का मानना है कि शिक्षक बच्चों को कुम्हार की भांति गढ़ता है और वांछित स्वरूप प्रदान करता है। इसलिये गुरु के दायित्व के निर्वहन में सभी शिक्षकों से बेहतर लेक्चर तरीके से तैयार कराया जा रहा है। शिक्षा बिना बोझ के होए अतः शिक्षकों की तैयारी गुणवत्तापरक की जा रही है, इससे शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार उसकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। इन कार्यक्रमों में छात्रों में स्वशिक्षण और स्वतंत्र चिंतन की क्षमता के विकास तथा बच्चे में जिज्ञासा को बनाए रखने हेतु भी जोर दिया जा रहा है जिससे उन्हें अपने विचार रखने का अवसर भी प्रदान हो।

आज की वैश्विक महामारी की जटिल परिस्थितियों में, शिक्षकों की भूमिका कहीं अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण व महत्वपूर्ण हो गई है। इसी परिप्रेक्ष्य मेंए शिक्षक व शिक्षा को अधिक कारगर बनाने हेतु प्रबंधन द्वारा शिक्षकों को उत्साहित भी किया जा रहा है। इसमें अब्दुल कलाम तकनीकी विश्व.विद्यालय की भूमिका सराहनीय है, जिनके द्वारा अपेक्षित सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों व चरित्र के विकास में समय-समय पर शिक्षण के तरीकों पर जोर देने हेतु दिशा-निर्देश दिये जा रहे है।